इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूज़लेटर प्रति वर्ष 40/रुपये
(आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संगठन)

आईआईबीएफ विज़न

व्यावसायिक उत्कृष्टता
के प्रति प्रतिबद्ध

खंड सं. : 8 अंक सं. :8 मार्च, 2016 पृष्ठों की सं 12

दर्शन (**विज़न**)**:** "बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में सूक्ष्म व्यावसायिक विकसित और शिक्षित करना।

ध्येय (**मिशन**) **:** "प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श / सलाह और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक रूप से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।"

इस अंक में

बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां----------2
बैंकिंग जगत की घटनाएं----------2
विनियामकों के कथन ----------4
बीमा ----------4
अर्थव्यवस्था ----------5
नयी नियुक्तिया ----------5
उत्पाद एवं गठजोड ---------- 6
विदेशी मुद्रा ----------6
शब्दावली ---------- ---------- ---- 7
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------7
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------7
संस्थान समाचार ---------- 8
बाज़ार की खबरें ----------10

"इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों / मीडिया में प्रकाशित हो चुकी / चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की / किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना / समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित / उल्लिखित घटनाएं सम्बन्धित स्रोत द्वारा यथा अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों / घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सूचना की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी प्रकार से न तो उत्तरदायी है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां

भारतीय रिज़र्व बैंक एकल आधार वाले प्राथमिक व्यापारियों को मीयादी पुनर्खरीद नीलामियों मे अनुमति देगा

मार्च में कारपोरेटों द्वारा अग्रिम कर भुगतानों के कारण चलनिधि की स्थितियों में अपेक्षित कठोरता को ध्यान में रखते हुए और मार्च, 2016 के अंत के आसपास अपने चलनिधि प्रबन्धन के प्रयास में बैंकिंग प्रणाली को लोच प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रिज़र्व बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) परिचालनों को जारी रखते हुए उपयुक्त लिखतों के संयोजन का उपयोग करते हुए पर्याप्त अतिरिक्त चलनिधि लगाएगा। भारतीय रिज़र्व बैंक ने कहा है कि एक विशेष मामले के रूप में एकल आधार वाले प्राथमिक व्यापारियों को अन्य पात्र सहभागियों के साथ 19 मार्च, 2016 से आरंभ होने वाले पखवाड़े के दौरान सामान्य अधिसूचित रकम के भीतर चार नियमित मीयादी पुनर्खरीद नीलामियों में सहभागिता करने की अनुमति दी जाएगी।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने एफएएलएलसीआर के तहत अतिरिक्त 3% की निवल मांग एवं सावधि देयताओं की अनुमति प्रदान की

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को चलनिधि व्याप्ति अनुपात (LCR) की गणना करने के लिए उनके द्वारा धारित सरकारी प्रतिभूतियों (G-secs) को चलनिधि व्याप्ति अनुपात के लिए चलनिधि प्राप्त करने की सुविधा (FALLCR) के तहत अनिवार्य सांविधिक चलनिधि आवश्यकता के भीतर उनकी निवल मांग एवं सावधि देयताओं (NDTL) के एक अन्य 3% तक स्तर एक की उच्च गुणवत्ता वाली अनिरुद्ध (liquid) आस्तियों (HOLA) के रूप में परिकलित करने की अनुमति प्रदान कर दी है।

बैंकिंग जगत की घटनाएं

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश फार्म की केवल ऑनलाइन जमा की अनिवार्यता

भारतीय रिज़र्व बैंक ने प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी -I बैंकों के लिए 8 फरवरी, 2016 से उन्नत विप्रेषण फार्म (FC-DPR), विदेशी सहयोग सामान्य अनुमति मार्ग (FC-TRS) और विदेशी सहयोग शेयरों का अंतरण (FC-TRS) ई-बिज पोर्टल पर केवल ऑनलाइन विधि से जमा करना अनिवार्य कर दिया है। उसके बाद इन फार्मों की भौतिक जमा सुविधा बंद कर दी जाएगी।

ब्याज दर विकल्पों के सम्बन्ध में भारतीय रिज़र्व बैंक का पैनल

वित्तीय बाज़ारों के सम्बन्ध में भारतीय रिजर्व बैंक की तकनीकी सलाहकार समिति (TAC) ने 21अप्रैल, 2015 को आयोजित अपनी बैठक में सभी संगत/ प्रासंगिक मुद्दों का व्यापक रूप से अध्ययन करने और भारत में ब्याज दर विकल्प की शुरुआत करने के ढांचे के सम्बन्ध में अपनी सिफारिशें देने के लिए एक कार्य दल (अध्यक्ष : प्रा. पी.जी. आप्टे) का गठन किया था। उक्त कार्य दल की सिफारिश यह है कि सामान्य क्रय (call) और विक्रय (put) विकल्पों, कैप्स, कॉलर्स और स्वैप्शन से शुरुआत की जाए। जटिल □ीचों को उसके बाद शुरू किया जाए।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने खुले बाज़ार के परिचालनों के जरिये 10,000 करोड़ रुपये खरीदे

बॉण्ड बाज़ार में चलनिधि की स्थिति को सह□ बनाने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपने खुले बाज़ार के परिचालनों (OMOs) के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये के बॉण्डों की खरीद की है।

लघु बचत योजना सरकारी प्रतिभूतियों की बाज़ार दर से सम्बद्ध

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों को 1-4-2016 से तिमाही आधार पर पुन: अंशांकित किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने लघु बचत योजनाओं के लिए एक ऐसी नयी ब्याज दर प्रणाली की घोषणा की है जो सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रतिफल से सम्बद्ध होगी। अल्प अवधि वाली लघु बचत योजनाओं पर प्रतिलाभ में 25 आधार अंकों की कटौती की गई है। राष्ट्रीय बचत योजनाओं के परिचालन को बाज़ारोन्मुख बनाने का उद्देश्य सामाजिक उद्देश्यों के हित में है ओर दीर्घावधि बचतों को बढ़ावा देना है।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को नये लेखांकन मानकों के बारे में नये निदेश जारी किए

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों - अभिसरित भारतीय लेखांकन मानकों (Ind. AS) के सम्बन्ध में नये निर्देश जारी किए हैं। बैंकों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे 30 सितम्बर. 2016 में समाप्त तिमाही के बाद से भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरण का प्रारूप भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रस्तुत करें।

विनियामकों के कथन

कार्य-निष्पादन से सम्बद्ध पूंजी के अंत: प्रवाह से बैंकों का मूल्य-योजन होगा

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री आर. गांधी ने कहा है कि "बजटीय पूंजी आबंटन कार्य-निष्पादन से जोड़ने की मुहिम को सभी बैंकों को आत्म-निरीक्षण करने और यदि आवश्यक हो, तो उनकी व्यावसायिक रणनीतियों को पुनर्निर्धारित करने का सही संकेत देने के रूप में देखा जाना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में आगे चल कर नये मानदंड सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों के लिए मूल्य बढ़ाने वाले सिद्ध होंगे।"

तुलनपत्र का शोधन आघात बैंकों के दीर्घकालिक कल्याण के लिए

भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने कहा है कि "जबकि कुछेक बैंकों की लाभप्रदता अल्पकालिक दृष्टि से ह्रासित हो सकती है, एक बार स्वच्छ हो जाने पर प्रणाली आर्थिक वृद्धि को वहनीय और लाभकर रीति से सहायता प्रदान करने में समर्थ होगी। हमारे सार्वजनिक क्षेत्र की विश्वास जैसी आर्थिक आस्तियां जनसंख्या, उनके सुविज्ञ कर्मचारियों, उनकी अवस्थिति और व्याप्ति द्वारा नियंत्रित हैं और जिस अल्प-लागत वाले निधीयन तक उनकी पहुंच है, वह पूर्णत: साकार की जा सकती है।"

द्रुतगामी दिवालियापन संहिता से छोटी फर्मों को समान अवसर प्राप्त होंगे

भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने यह मत व्यक्त किया है कि एक परिचालनात्मक एवं द्रुतगामी दिवालियापन संहिता से छोटी फर्मों को समान अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि फर्मों की बजाय व्यक्तियों पर संकेन्द्रित मूलभूत सुरक्षा पाश स्वतंत्र उद्यम के प्रचुरोद्भवन में सहायता करेगा। गवर्नर ने यह भी कहा है कि भारत स्वतंत्र उद्यम को प्रोत्साहित करने की दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है तथा स्नातक अधिकाधिक रूप से किसी सुस्थापित परामर्शी या बैंक की अपेक्षा नव-उद्यमियों (start-ups) के लिए व्यवसाय या काम करना चाहते हैं।

बीमा

बीमाकर्ता पॉलिसी की खरीद पर रोक नहीं लगा सकते : इर्डाई

बाज़ार की अनुचित प्रथाओं को रोकने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने स्पष्ट किया है कि किसी एजेन्ट / मध्यवर्ती अथवा बीमाकर्ता / बीमा कार्यालय द्वारा मोटर बीमा व्यवसाय (जहां कहीं भी लागू हो, वैयक्तिक दुर्घटना पॉलिसियों सहित) लाने (sourcing/ की

सेवा प्रदान करने (servicing) पर इस आधार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं होना चाहिए कि उन्होंने किसी मोटर व्यापारी / विनिर्माता से गठजोड़ व्यवस्था कर रखी है।

अर्थव्यवस्था

भारतीय रिज़र्व बैंक के व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण में 7.8% की वृद्धि परिलक्षित

भारतीय रिज़र्व बैंक के व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण का कहना है कि देश की सकल मूल्य-योजित (GVA) आर्थिक वृद्धि 2015-16 में 7.4% पर और 2016-17 में 7.8% पर रहेगी।

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 2015-16 की वृद्धि 7.6% पर स्थिर की

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) के अनुसार 2015-16 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि के 2014-15 में 7,2% की तुलना में 7.6% रहने का अनुमान है।

नयी नियुक्तियां

नाम	पदनाम / संगठन
श्री रमेश एस. सिंह	कार्यपालक निदेशक, देना बैंक
श्री मयंक के. मेहता	कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा
श्री विनोद कथूरिया	कार्यपालक निदेशक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
श्री जे.के. गर्ग	प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कारपोरेशन बैंक
श्री आर. सुब्रमणिया कुमार	कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक
श्री मनोज मित्तल	उप प्रबन्ध निदेशक, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)
श्री ए.एस. राजीव	कार्यपालक निदेशक, इंडियन बैंक
श्री अजय कुमार कपूर	उप प्रबन्ध निदेशक, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)
श्री दीन बंधु मोहापात्र	कार्यपालक निदेशक, केनरा बैंक

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गंठजोड़ हुआ	उद्देश्य
भारतीय स्टेट बैंक	थॉमस कुक इंडिया	उसके ग्राहकों को थॉमस कुक के साथ छुट्टी खातों की सुविधा प्रदान करने के लिए।

विदेशी मुद्रा

मार्च, 2016 माह के लिए लागू होने वाली विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की न्यूनतम दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	0.73900	0.84350	0.94200	1.02310	1.14500
जीबीपी	0.60260	0.7287	0.7611	0.8162	0.8871
यूरो	-0.18200	- 0.203	-0.168	-0.096	-0.006
जापानी येन	-0.07880	-0.160	-0.183	-0.163	-0.124
कनाडाई डालर	0.92000	0.812	0.822	0.851	0.906
आस्ट्रेलियाई डालर	2.11200	2.018	2.020	2.199	2.260
स्विस फ्रैंक	-0.83750	-0.901	-0.862	-0.781	-0.684
डैनिश क्रोन	0.07000	0.0976	0.1588	0.2433	0.3650
न्यूजीलैंड डालर	2.45000	2.410	2. 470	2.560	2.670
स्वीडिश क्रोन	-0.51480	-0.415	-0.227	-0.007	0.215
सिंगापुर डालर	1.81000	1.930	2.050	2.160	2.250
हांगकांग डालर	0.94000	1.140	1.200	1.300	1.430
म्यामार	3.71000	3.630	3.650	3.720	3.780

स्रोत : www.fedai.0rg.in

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियां

मद	26 फरवरी, 2016 के दिन	26 फरवरी, 2016 के दिन
	बिलियन् रुपये	मिलियन अमरीकी डालर
	1	2
कुल प्रारक्षित निधियां	23, 667.,7	3,46, 788..2
क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	22, 186.9	3,25, 026.5

ख) सोना	1,201, 2	17, 696. 7
ग) विशेष आहरण अधिकार	101, 8	1, 479. 9
घ) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	177.8	2, 585.1

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

शब्दावली

उच्च गुणवत्ता वाली अनिरुद्ध आस्तियां (HQLA)

आस्तियों को उनके मूल्य में मामूली या किसी प्रकार की हानि उठाए बिना सरलता से और तत्काल नकदी में परिवर्तित किए जा सकने पर उच्च गुणवत्ता वाली अनिरुद्ध (liquid) आस्तियां माना जाता है। किसी आस्ति की अनिरुद्धता (liquidity) अन्तर्निहित दबाव वाले परिदृश्य, मुद्रीकृत किए जाने वाले मूल्य तथा विचार किए जाने वाली निर्धारित समय-सीमा पर निर्भर करती है।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

अवधि (duration)

अवधि (मैकाले अवधि) स्थिr आय वाली प्रतिभूतियों की मूल्य अस्थिरता को मापती है। इसका प्रयोग प्राय: भिन्न- भिन्न कूपनों और भिन्न-भिन्न परिपक्वताओं वाली प्रतिभूतियों के बीच ब्याज दर जोखिम की तुलना करने के लिए किया जाता है। इसे किसी बॉण्ड के नकदी प्रवाहों के भारित औसत समय के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें भार और कुछ नहीं, अपितु स्वयं नकदी प्रवाहों का वर्तमान मूल्य होता है। यह वर्षों में अभिव्यक्त किया जाता है। किसी स्थिर आय वाली प्रतिभूति की अवधि शून्य कूपन वाली प्रतिभूतियों, जिनमें वे उतनी ही होती हैं, को छोड़कर हमेशा उसकी परिपक्वता की मीयाद से कम होती है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

अप्रैल, 2016 माह के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रमों के नाम	तिथियां	स्थल
1	आईडीबीआई बैंक के प्रशिक्षकों के लिए प्रस्तुतीकरण कौशलों पर कार्यक्रम	7 से 8 अप्रैल, 2016	भुबनेश्वर

2	वसूली प्रबन्धन	20 से 22 अप्रैल, 2016	मुंबई
3	प्रमाणित ऋण अधिकारी - परीक्षोपरांत प्रशिक्षण	25 से 29 अप्रैल, 2016	मुंबई
4	आवास वित्त	25 से 27 अप्रैल, 2016	मुंबई
5	प्रमाणित बैंकिंग अनुपालन व्यावसायिक - परीक्षोपरांत प्रशिक्षण	25 से 29 अप्रैल, 2016	नयी दिल्ली
6	प्रमाणित ऋण अधिकारी - परीक्षोपरांत प्रशिक्षण	25 से 29 अप्रैल, 2016	चेन्नै

संस्थान समाचार

आईआईबीएफ का ऐंड्रोइड मोबाइल एप

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस का ऐंड्रोइड मोबाइल एप डाउनलोड के लिए गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस अनुप्रयोग को डाउनलोड करने के बाद प्रयोक्ता के लिए इसे आरंभ करवाने हेतु मूलभूत सूचना (सदस्य का नाम, ई-मेल और मोबाइल नम्बर) प्रदान करना जरूरी होता है। इस अनुप्रयोग का उपयोग करते हुए अभ्यर्थी / सदस्य संस्थान, सदस्यता, परीक्षाओं, प्रशिक्षण, पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं के बारे में सूचना प्राप्त करने में समर्थ होगा।

आईआईबीएफ द्वारा सोशल मीडिया में प्रवेश

संस्थान यूट्यूब और फेसबुक पर मौजूद है। सदस्यों से प्रति-सूचना के लिए अनुरोध है।

बैंक क्वेस्ट - आगामी अंकों की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी पांच अंकों की विषय-वस्तुएं निम्नानुसार निर्धारित की गई हैं :

जुलाई - सितम्बर, 2016 : दबावग्रस्त खाते का प्रबन्धन और वित्तीय स्थिरता

अक्तूबर - दिसम्बर, 2016 : डिजिटल बैंकिंग

जनवरी - मार्च, 2017 : व्यवसाय विश्लेषण

अप्रैल - जून, 2017 : मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियां

अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा का आयोजन तिमाही आधार पर करेगा। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

इसके अतिरिक्त, ये परीक्षाएं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस के मुंबई और कोलकाता परीक्षा केन्द्रों पर अगस्त और सितम्बर के महीनों में दूसरे और चौथे शनिवारों को आयोजित की जाएंगी।

हीरक जयंती और सी.एच. भाभा बैंकिंग विदेशी अनुसंधान एवं फेलोशिप (DJCHBBORF)

हीरक जयंती और सी.एच. भाभा बैंकिंग विदेशी अनुसंधान एवं फेलोशिप (DJCHBBORF) के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 -03- 2016 तक बढ़ा दी गई है। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

परीक्षा के लिए दिशानिर्देशों / महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के मई / जून माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष की 31 दिसम्बर तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के नवम्बर / दिसम्बर माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष की 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही वि□ार किया जाएगा।

संस्थान की परीक्षाओं के लिए अतिरिक्त अध्ययन सामग्री

संस्थान ने विविध परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के मुख्य (मास्टर) परिपत्रों और अन्य स्रोतों से संग्रहीत अतिरिक्त अध्ययन सामग्री अपनी वेब साइट पर डाल रखी है। ये परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

नयी पहलकदमी

वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये भेजने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास अपने ई-मेल पते अद्यतन करवा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

---

* भारत के समाचार पत्र पंजीकार (रजिस्ट्रार) के पास आरएनआई संख्या : 69228 /1998 के अधीन पंजीकृत

बाज़ार की खबरें

भारित औसत मांग दरें

7.2
7.1
7
6.9
6.8
6.7
6.6
6.5

अगस्त, 2015, सितम्बर, 2015, अक्तूबर, 2015, नवम्बर 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2015

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड न्यूज़लेटर, 2015-16

भारतीय रिज़र्व बैंक की संदर्भ दरें

110.00
100.00
90.00
80.00

70.00
60.00
50.00

अगस्त, 2015, सितम्बर, 2015, अक्तूबर, 2015, नवम्बर 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2015

अमरीकी डालर यूरो 100 जापानी येन पौंड स्टर्लिंग

स्त्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

11.5
11
10..5
10
9 .5
9
8.5

अगस्त, 2015 सितम्बर, 2015, अक्तूबर, 2015, नवम्बर, 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016

स्त्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, फरवरी, 2016

बम्बई शेयर बाज़ार सूचकांक

27000
26500
26000
25500
25000
24500

अगस्त, 2015 सितम्बर, 2015, अक्तूबर, 2015, नवम्बर, 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016

स्रोत : बम्बई शेयर बाज़ार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

11.5
11
10.5
10
9.5
9

अगस्त, 2015 सितम्बर, 2015, अक्तूबर, 2015, नवम्बर, 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016

भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, फरवरी, 2016

डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा मुद्रित, डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा ऑनलुकर प्रेस, 16 सासून डॉक, कोलाबा, मुंबई - 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II,, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई -400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डॉ. जे. एन. मिश्र

सेवा में

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम)
मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22 2503 9604 / 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : iibgen@bom5 vsnl.net.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विज़न मार्च, 2016